हारना मना है: एलन मस्क की कहानी

SpaceX

Tesla

बहुत समय पहले, साउथ अफ्रीका में एलन नाम का एक छोटा लड़का रहता था। वह दूसरे बच्चों से थोड़ा अलग था। जब बाकी बच्चे खेल रहे होते थे, तब एलन कोने में बैठकर मोटी-मोटी किताबें पढ़ता था। उसे अंतरिक्ष (Space), कंप्यूटर और विज्ञान से बहुत प्यार था। वह हमेशा सोचता था, "क्या इंसान कभी मंगल ग्रह (Mars) पर जा पाएगा?"

जब एलन बड़ा हुआ, तो उसने अपनी खुद की रॉकेट कंपनी शुरू की, जिसका नाम था SpaceX।

एलन का सपना था कि वह एक ऐसा रॉकेट बनाए जो अंतरिक्ष में जाए, वापस आए और उसे दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। बड़े-बड़े वैज्ञानिकों ने कहा, "यह नामुमकिन है! ऐसा कभी नहीं हो सकता।" लेकिन एलन ने किसी की बात नहीं मानी। वह दिन-रात मेहनत करने लगा। वह कभी-कभी ऑफिस में ही फर्श पर सो जाता था।

फिर आया परीक्षा का दिन। एलन ने अपना पहला रॉकेट आसमान में भेजा।

- *पहली कोशिश: रॉकेट हवा में गया और फट गया। एलन उदास हुआ, पर उसने हार नहीं मानी।*
- *दूसरी कोशिश: रॉकेट फिर से फेल हो गया। लोगों ने कहा, "एलन, पैसे बर्बाद मत करो, तुम नहीं कर सकते।"*
- *तीसरी कोशिश: रॉकेट एक बार फिर बर्बाद हो गया। अब एलन के पास सिर्फ आखिरी रॉकेट बनाने के पैसे बचे थे। अगर इस बार भी फेल होते, तो उनकी कंपनी बंद हो जाती।*

क्या एलन ने हार मानी? बिल्कुल नहीं! उन्होंने अपनी गलतियों से सीखा और अपनी टीम के साथ दोगुनी मेहनत की।

चौथी कोशिश: 28 सितंबर 2008 का दिन था। रॉकेट ने उड़ान भरी... वह ऊपर गया, और ऊपर गया... और इस बार वह बिना किसी खराबी के अंतरिक्ष में पहुँच गया! पूरी दुनिया हैरान रह गई। एलन की मेहनत जीत चुकी थी।

आज, एलन मस्क की गाड़ियाँ (Tesla) बिना पेट्रोल के बिजली से चलती हैं और उनके रॉकेट सच में अंतरिक्ष में जाकर वापस जमीन पर सही-सलामत लौट आते हैं।

इस कहानी से बच्चों को क्या सीख मिलती है?

- *कभी हार मत मानो: अगर आप किसी काम में पहली, दूसरी या तीसरी बार फेल हो जाते हैं, तो रोना नहीं चाहिए। एलन की तरह चौथी बार और मेहनत करनी चाहिए।*
- *किताबों से दोस्ती करो: बचपन में ज्यादा से ज्यादा पढ़ने की आदत ही आपको बड़ा और समझदार बनाती है।*
- *बड़े सपने देखो: लोग चाहे जो कहें, अपने सपनों पर भरोसा रखो और उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान लगा दो।*